विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्री (श्री शांति भूषण) : (क) ऐसे किसी प्रस्ताव पर विचार नहीं किया जा रहा है।

(ख) और (ग). प्रश्न ही नहीं उठता।

उर्वरकों का उत्पादन

3186. **श्री मीठा लाल पटेल** : क्या **पैट्रोलियम तथा रसायन और उर्वरक** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार को पता है कि उर्वरक कारखाने अपनी अधिष्ठापित क्षमता के अनुसार उत्पादन नहीं कर रहे हैं :

(ख) यदि हां, तो ऐसे कारखानों की संख्या कितनी है और क्या सरकार ने इसके कारणों का पता लगाने की कोशिश की है ;

(ग) क्या गत दो वर्षों के दौरान उर्वरकों की कीमतों में पर्याप्त वृद्धि हुई है और मांग की अपेक्षा उर्वरकों का उत्पादन बहुत कम है ; और

(घ) इस बारे में सरकार क्या उपचारात्मक कार्यवाही करना चाहती है ?

पैट्रोलियम, रसायन और उर्वरक मंत्री (श्री हेमवती नन्दन बहुगुणा) : (क) और (ख). पिछले वर्ष की तुलना में 1976-77 में नाइट्रोजन और फोस्फेट दोनों के कुल उत्पादन तथा क्षमता के उपयोग में अधिक सुधार हुआ है।

देश में उर्वरक संयंत्रों को मुख्य रूप से निम्न लिखित श्रेणियों में रखा जा सकता है :-

(i) निर्माण सम्बन्धी कठिनाई से सम्बन्धित पुराने संयंत्र।

(ii) स्थिर संयंत्र।

(iii) नये संयंत्र।

श्रेणी (i) के संयंत्र अपनी निर्धारित क्षमता के लगभग उत्पादन करने में भी समर्थ नहीं हैं क्योंकि प्लांट बहुत पुराने हो जाने और उपकरणों अथवा उपयुक्त प्रकार की सम्भरण सामग्री की कमी, दोषपूर्ण डिजाइन और उपकरणों और कुछ संयंत्रों के कुछ खण्डों में अप्रचलित प्रौदयोगिकी जैसे कुछ अन्य निर्माण संबंधी तकनीकी कठिनाइयों के कारण उनमें क्षमता के बराबर उत्पादन नहीं हो सकता है।

श्रेणी (ii) के संयंत्र अपनी निर्धारित क्षमता तक उत्पादन करने में समर्थ हैं बशर्ते कि उनको आवश्यक कच्चा माल उपलब्ध हो। इस संयंत्रों में क्षमता का उपयोग अधिकतम हुआ है।

श्रेणी (iii) में नए संयंत्र शामिल हैं जिनको उत्पादन के प्रथम वर्ष में प्रारम्भिक कठिनाइयां होती हैं जो उत्पादन स्थिर करने में कम से कम दो वर्षों का समय लेते हैं।

सरकार का यह निरन्तर प्रयास रहा है कि कठिनाइयों का पता लगाकर इन पर काबू पाने के लिए प्रतिस्थापन नवीकरण एवं बाधा निवारण की योजनाओं द्वारा आवश्यक सुधारात्मक उपायों से क्षमता का अधिकतम उपयोग किया जाए।

(ग) और (घ). गत दो वर्षों के दौरान उर्वरकों के मूल्य नहीं बढ़े हैं इसके विपरीत इस अवधि के दौरान अनेक बार उन में कटौती करने के लिए पुनरीक्षण किया गया है।

पोटाश की आवश्यकताओं को पूर्णरूप से आयात द्वारा पूरा किया जाता है क्योंकि देश में पोटाश का उत्पादन नहीं किया जाता है।

1975-76 और 1976-77 में उवरकों का अनुमानित खपत और उत्पादन के आंकड़ निम्नलिखित हैं :—

(लाख मी० टन में)

वर्ष	उत्पादन		खपत	
	एन	पी	एन	पी
1975-76	15.35	3.20	20.32	4.45
1976-77	19.0	4.80	24.77	6.7

नाइट्रोजनस और फास्फेटिक उर्वरकों के बारे में मांग का पर्याप्त भाग देशी उत्पादन से पूरा किया जाता है और देशी उपलब्धता और मांग के बीच में अन्तर को पूरा करने के लिए अपेक्षित आयात द्वारा प्रबन्ध किया जाता हैं।

देशी उपलब्धता और उर्वरकों के लिए मांग के बीच अन्तर को कम करने के लिए नए उर्वरक संयंत्रों की स्थापना करने के लिए एक बड़े कार्यक्रम का भी कार्यान्वय किया जा रहा है।

शिक्षित बेरोजगारों को पैट्रोल पम्पों और गैस एजेन्सियों का आवंटन

3187. **श्री महीलाल** : क्या **पैट्रोलियम तथा रसायन और उर्वरक** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) वर्ष 1975-76 और 1976-77 में भारतीय तेल निगम ने देश भर में प्रत्येक शहर में कुल कितने शिक्षित बेरोजगार व्यक्तियों को पैट्रोल, डीजल पम्पों और कुकिंग गैस की अलग अलग कितनी एजेन्सियां दी ;

(ख) उनमें से कितने पैट्रोल, डीजल पम्पों और गैस की एजेंसियां अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के शिक्षित बेरोजगार युवकों को दी गई और आवेदन पत्र अभी विचारधीन पड़े हैं ; और

(ग) क्या सरकार यह सुनिश्चित करेगी कि जब तक आरक्षित कोटा पूरा नहीं हो जाता, तब तक उपर्युक्त एजेन्सियां केवल अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजाति के युवकों को ही दी जायें ?

पैट्रोलियम तथा रसायन और उर्वरक मंत्री (श्री हेमवती नन्दन बहुगुणा) : (क) से (ग). अक्तूबर 1969 तक इंडियन आयल कारपोरेशन (आई० ओ० सी०) वाणिज्यिक विचारधाराओं पर अपनी एजेंसियां दे रहा था। नवम्बर 1969 में ये नीति बदल दी गई थी और आई० ओ० सी० की डीलरशिप एजेंसियां निम्न आय वर्ग परिवारों से सम्बन्धित बेरोजगार स्नातकों/इंजीनियरों आदि को दी जाती थी। यह नीति नवम्बर 1971 तक चलती रही। दिसम्बर 1971 में हुए युद्ध के पश्चात इस नीति का अतिक्रमण किया गया और एक ऐसी नीति खोज निकाली गई जिसके द्वारा आई० ओ० सी० की डिलरशिप और एजेंसियां अपंग प्रतिरक्षा कार्मिकों, युद्ध में मृत सैनिकों की विधवाओं, युद्ध में मारे गये अथवा गुमशुदा सैनिकों के आश्रितों और